

बिहार विधानमंडल में प्रबोधन कार्यक्रम

चर्चा में क्यों?

17 फरवरी, 2022 को लोकसभा अध्यक्ष ओम बरिला एवं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार विधानमंडल के विस्तारति भवन स्थिति सेंटरल हॉल में विधानमंडल सदस्यों के लिये आयोजति प्रबोधन कार्यक्रम को संबोधति कयि।

प्रमुख बिदु

- प्रबोधन कार्यक्रम का वषिय था- 'लोकतंत्र की यात्रा में विधायकों का उन्मुखीकरण एवं उत्तरदायतिव'।
- बिहार विधानसभा भवन के शताब्दी वर्ष एवं स्थापना दविस के अवसर पर यह कार्यक्रम संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशक्तिषण संस्थान, लोकसभा तथा बिहार विधानसभा, सचविालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजति कयि गयि है।
- गौरतलब है कि वर्ष 2006 में पहला प्रबोधन कार्यक्रम हुआ था, जसिमें तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी मारगेट अलवा शामिल हुई थी। उस समय बिहार विधानसभा के अध्यक्ष उदय नारायण चौधरी थे।
- वर्ष 2011 के दूसरे प्रबोधन कार्यक्रम में तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार और राज्यसभा में नेता प्रतपिक्ष अरुण जेटली शामिल हुए थे। तीसरे प्रबोधन कार्यक्रम में संसदीय मामले के वशिषज्ज जे.सी. मल्होत्रा शामिल हुए थे।
- वदिति है कि 22 मार्च, 1912 को बंगाल से बिहार और उड़ीसा अलग हुए तथा 1920 में इसे पूर्ण राज्य का दर्जा मलि था। 7 फरवरी, 1921 को विधानमंडल की पहली बैठक हुई थी। विधानमंडल भवन के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में हाल ही में कई कार्यक्रमों का आयोजन कयि गयि।
- अक्टूबर 2021, में आयोजति कार्यक्रम में राष्ट्रपतिराम नाथ कोवदि शामिल हुए थे। उन्होंने बिहार विधानसभा परसिर में शताब्दी स्मृतिस्तंभ का शलिन्यास कयि था और बोधगया से लाए गए पवतिर बोधवृक्ष के शशि पौधे का रोपण कयि था।